सितम्बर, 2023 क्रमांक 09

e publication

मासिक पशुपालन निर्देशिका

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार (हरियाणा)

विश्व रेबीज़ दिवस पर
जाने पशुओं में रेबीज़ रोग को

- रेबीज़ एक विषाणु जनित पशुजन्य रोग हैं, जो मनुष्य और गर्म खून वाले सभी पशुओं को संक्रमित करता हैं |
- रेबीज़ संक्रमण के बाद लक्षण उत्पन्न होने पर कोई इलाज संभव नही हैं| यह पूर्णतया (100%) जानलेवा हैं, परन्तु घाव के सही उपचार व टीकाकरण से बचाव संभव हैं |
- इस रोग से विश्वभर में प्रतिवर्ष लगभग 59,000 मृत्यु होती हैं, इनमे से 20,000 मृत्यु केवल भारतवर्ष में होती हैं (WHO) |
- रेबीज़ रोग का मुख्य कारक, कुत्तो द्वारा काटे जाना माना जाता हैं |
- विभिन्न भ्रांतियां जैसे की कुत्ते के काटने के बाद घाव पर घरेलु नुस्खे जैसे की मिर्च मसाले, तेल आदि लगाना व घाव को अच्छे से न धोना आदि के कारण, इस रोग के नियंत्रण में बाधा हैं |

कुत्ते के काटे जाने पर क्या करें

- घाव को तुरंत बहते नल में पानी व साबुन के साथ 10-15 मिनट तक लगातार धोएं |
- घाव पर कीटाणु नाशक और एंटीसेप्टिक इत्यादि लगायें |
- इसके बाद चिकित्सीय सलाह से एंटी रेबीज़ टीकाकरण या रेबीज़ इम्मुनोग्लोबुलिन लगवाएं |
- यदि संभव हो तो काटने वाले कुत्ते की कम से कम 10 दिन तक निगरानी अवश्य करें |
- सम्पूर्ण एंटी रेबीज़ टीकाकरण निश्चित समय सारिणी के अनुसार ही लगवाएं |
- साथ ही Tetnus toxoid व एंटीबायोटिक की खुराक भी चिकित्सीय परामर्श से लें |

क्या न करें ?

- घाव पर लाल मिर्च, तेल, हल्दी, जड़ी बूटी आदि न लगायें | अंधविश्वास व कही सुनी बातों पर यकीन न करें, चिकित्सीय परामर्श जरुर लें |

पशुओं में अखाद्य पदार्थ खाने की समस्या

- पशुओं में अखाद्य पदार्थ (मिट्टी, लकड़ी, कपड़ा, बाल, आड़-कबाड़ आदि) खाने की समस्या मुख्यत: छोटे पशुओं व ग्याबिन पशुओं में मिल सकती हैं |
- इसके अनेक कारण हो सकतें हैं, जैसे की आहार में नमक की कमी, खनिज (मुख्यत: फ़ास्फ़रोस, कैल्शियम या लोहे आदि) की कमी, आंतरिक व बाह्य परजीवी आदि |
- निदान हेतु पशु चिकित्सीय परामर्श से खनिज मिश्रण दें , नमक, गेहू छानस /चोकर के साथ संतुलित आहार दें, कृमिनाशक दवा दें |

सितम्बर के पशुपालन सम्बन्धी कार्य

- हरे चारे हेतु संसाधन अनुसार हाइब्रिड नेपियर, बरसीम, राई घास या सरसों (चाईनीज़ कैबेज) का उपयोग करें |
- बरसीम की बिजाई अंतिम सप्ताह में करें |
- बरसीम के साथ राई घास या सरसों (चाईनीज़ कैबेज) की बिजाई करें |
- बाड़े में परजीवियों के नियंत्रण पर ध्यान दें, साफ़ -सफ़ाई रखें, फिनायल का उपयोग करें |

व्हाट्सअप्प ग्रुप से जुडें: प्रगतिशील पशुपालक ग्रुप से जुड़ने हेतु 930-000-0857 व्हाट्स अप्प मेसेज भेजे ।

डॉ देवेन्द्र सिंह, डॉ सुजोय खन्ना एवं डॉ ज्योति शुन्ठवाल
विस्तार शिक्षा निदेशालय, लुवास